यदि जलवायु के अवरोध को स्वीकार किया तो विकास भी अवरुद्ध होगा

दिल्ली, एजेंसी। राज्य प्रमुख, नोबेल विजेता विशेषज्ञ 15वे डेल्ही सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2015 (DSDS) में विश्व के प्रमुख मुद्दों और उनके समाधान खोजने हेतु एकत्रित हुए। द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट (ञ्जश्वऋ्ह) के इस आयोजन ने "स्थायी विकास और जलवायु परिवर्तन" जो की इस वर्ष के आयोजन का प्रमुख विषय है, पर संवाद के लिए एक विशिष्ट मंच प्रदान करने का कार्य है। (DSDS) 2015 का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योकि इसमें विकास के कई मुद्दे मूर्त रूप लेंगे। संयुक्त राष्ट्र साधारण सभा द्वारा सितम्बर 2015 में नए लक्ष्य निर्धारित किये जाने है और कार्फ्रेंस ऑफ़ पार्टीज CoPwv इस वर्ष में पेरिस में होना है।

डॉ. आर के पचोरी, मुख्य निदेशक (TERI) ने बताया कि, IPCC की रिपोर्ट ने ज़ाहिर किया है की यदि हमने त्वरित कार्यवाई नहीं की तो इसके भविष्य विनाशकारी होगा। परन्तु जलवायु परिवर्तन मिश्रित लाभ ले अवसर भी प्रदान करता है स्वच्छ और वहनीय ऊर्जा जैसे सौर एवं वायु ऊर्जा में निवेश ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन को नियंत्रित कर सकता है और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था जैसे रेल और साइकिल वायु प्रदुषण को के जन स्वास्थ्य को सुधार सकते है। (DSDS) पुष्टि करता है TERI को पुरे विश्व मिलने वाले सहयोग की। श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय राज्य मंत्री-पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, ने बताया कि विकास की व्यवस्था में कई जगह पक्षपात भी रहा है और इस मुद्दे को इस संवाद में उठाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अनुसार "जलवायु परिवर्तन की वजह से बढ़ते दबाव में हम प्रभावित हो रहे है और आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुधारना हमारा दायित्व है। हम स्वच्छ ऊर्जा के रास्ते को अपना चुके है, हमने नवीनकरणीय ऊर्जा की अपनी वचनबद्धता को बढ़ाया है और स्मार्ट शहरों की शुरुआत की है।"

श्री जावड़ेकर ने कहा कि "वायु प्रदुषण ने सभी देशो को प्रभावित किया है। स्वच्छ वायु सबका जन्मसिद्ध अधिकार होना चाहिए और हमें स्वक्छ वायु, स्वच्छ जल और ऊर्जा की दिशा में कार्य करना चाहिए।"